(c) whether the treatment and behaviour of staff and doctors in different CGHS dispensaries and hospitals is uncourteous and uncooperative and needs improvement; and

(d) if so, the steps taken to improve the present state of affairs?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI M. L. FOTEDAR): (a) and (b) Although basic facilities are available in the hospitals in Delhi, the services are under strain due to increasing number of patients. Vigorous efforts are being made to strengthen the hospitals both in terms of equipment and staff and recently significant improvement in this respect has been made in respect of Safdarjung and Dr. R.M.L. Hospitals.

(c) and (d) It is our constant endeavour to provide courteous and prompt services to patients.

Hostage with ULFA and Kashmiri Terrorists

29. SHRI SUKOMAL SEN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is the number of people still kept hostage by the ULFA and Kashmiri terrorists; and

(b) what are the precautionary measures Government are contemplating to stop this menace in different parts of the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): (a) The number of persons kept in captivity by the ULFA is 6 and by the Kashmiri terrorists reportedly 6 (six).

(b) Security measures have been tightened in different parts of the country. Additional companies of para-military forces and even army have been deployed in aid of Civil Authorities in certain sensitive areas to tackle the situation. An officer of the rank of Inspector General of Police has been posted as Director (Security) in the ONGC for the North-Eastern region.

कश्मीर घाटी में उग्रवादियों द्वारा मारे गये व्यक्ति

30. डा० रत्नाकर पाण्डेय : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सितम्बर–अक्तूबर 1991 के दौरान कश्मीर घाटी में उग्रवादियों द्वारा मारे गए लोगों की कुल संख्या कितनी है ;

(ख) इनमें मारे गये सुरक्षा कार्मिकों तथा अन्य सरकारी कर्मचारियों का श्रेणीवार ब्यौरा क्या है ; और

(ग) उक्त अवधि के दौरान कितने उग्रवादी मारे गए ?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० एम० जैकब) : (क) जम्मू और कश्मीर सरकार ने सूचित किया है कि सितम्बर और अक्तूबर, 1991 के दौरान घाटी में उग्रवादियों/खाड़कुओं द्वारा 120 (एक सौ बीस) व्यक्ति मारे गए ।

(ख) मारे गए सुरक्षा तथा अन्य सरकारी कर्मचारियों का श्रेणी-वार विवरण निम्न प्रकार है :

सीमा सुरक्षा बल .	. 10
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल	. 3
सेना . .	. 4
जम्मू और कश्मीर पुलिस के कार्मिक . .	. 5
भारत तिब्बत सीमा पुलिस	. 1
अन्य सरकारी कर्मचारी	. 6
	29

(ग) पिछले दो महीनों के दौरान कुल 240 (दो सौ चालीस) उग्रवादी मारे गए हैं।

कश्मीर घाटी में उग्रवादियों द्वारा अपहृत विदेशी नागरिक

31. **डा० रत्नाकर पाण्डेय**: क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो महीनों में कश्मीर घाटी में उग्रवादियों द्वारा कितने विदेशी नागरिकों का अपहरण किया गया ; और

(ख) इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम०एम० जैकब): (क) और (ख) 14 और 15 अक्तूबर, 1991 की मध्य रात्रि को एक फ्रांसीसी राष्ट्रिक, श्री एंटोनी सिलवा, जो कि डलहस्ती पन-विद्युत परियोजना में एक अभियन्ता थे, के लापता होने की सूचना मिली थी। उनकी कार एक दर्रे की तलहटी में चली हुई और टुकड़े-टुकड़े हुई पाई गई परन्तु उसका कुछ पता नहीं चला। बाद में 17-10-1991 को, जम्मू और कश्मीर के आतंकवादियों की एक शाखा "अल-फतह" ने उसके अपहरण की जिम्मेदारी ली है।

असम में उग्रवादियों को बातचीत के लिए आमंत्रित करने के बारे में फार्मूला

32. **डा० रत्नाकर पाण्डेय**: क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या केन्द्रीय सरकार ने असम के उग्रवादियों को बातचीत के लिए आमंत्रित करने के बारे में कोई फार्मूला तैयार किया है और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० एम० जैकब): सरकार ने असम उग्रवादियों से बात करने के लिए कोई फार्मूला तैयार नहीं किया है। तथापि, असम सरकार द्वारा यूनाइटिड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (यु एल एफ ए) को बातचीत के लिए बुलाया गया था तथा उनसे भारत के संविधान को स्वीकार करने और हिंसा त्यागने को कहा गया था। उल्फा ने इस प्रस्ताव का सकारात्मक रूप से जवाब नहीं दिया। अखिल भारतीय बोडो युनियन (ए बी एस यु) असम सरकार के साथ बातचीत करती आ रही है, जिसमें केन्द्र सरकार के प्रतिनिधि भी भाग लेते रहे हैं।

33. [Transferred to the 26th November, 1991]

Kandla-Bhatinda Pipeline Project

34. KUMARI CHANDRIKA PREMJI KENIA: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) what are the details of the progress made in the construction of Kandla-Bhatinda pipeline Project and its present cost;

(b) whether the work has been allotted to any company; if so, what are the details thereof; and

(c) what are the likely dates of commissioning of this project?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B SHANKRANAND): (a) Basic design and engineering has been completed